>

Title: Situation arising out of the nationwide strike by the trade unions in the country.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं अति लोक महत्व मुद्दे पर अपनी बात कहना चाहता हूं। पूरे देश में ट्रेड यूनियन के श्रमिकों ने 20 और 21 फरवरी को विगत पिछले दो दिन हड़ताल की और हड़ताल सफल भी रही। सभी सम्मानित सदस्यों को याद होगा कि जब भारत बंद रहता है तो कई घटनाएं होती हैं लेकिन हिंसक घटनाएं नहीं होती हैं। इस बार आपने समाचार पत्रों में भी देखा होगा कि इस बार बंद से करीब 26,000 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। इतने बड़े पैसे का नुकसान हुआ है जबकि इस पैसे से देश का बहुत बड़ा विकास हो सकता था। मुझे कोई गुरेज़ नहीं है और मैं केंद्र सरकार पर आरोप लगाता हूं। इसी सदन में समय-समय पर श्रमिकों की समस्याएं बराबर रखी जाती रही हैं लेकिन सरकार ने हठधर्मिता के कारण श्रमिकों की समस्याओं को सीरियली नहीं लिया, उनकी बातों को नहीं सुना। जब पानी सिर से ऊपर हो जाता है तब जाकर मजबूर होकर ऐसी ही स्थिति आती है। भारत बंद एक दिन होता है लेकिन यही कारण है कि हड़ताल दो दिन रही और सफल रही। ऐसा प्रतीत होता है कि श्रमिकों की मांगे वाजिब और जायज थी। ट्रेड यूनियन के नेताओं ने बराबर केंद्र सरकार से कहा कि हमसे वार्ता कर लें, हमारी मांगें मान लें। लेकिन जब केंद्र सरकार ने बात नहीं मानी और सरकार की हठधर्मिता के कारण मजबूर होकर हड़ताल हुई।

महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि दिल्ली एनसीआर से सटा हुआ इलाका नोएडा और ग्रेटर नोएडा है। गाजियाबाद में बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजनाथ सिंह जी का क्षेत्र है। इलाहाबाद से आते हुए मुगलसराय से दिल्ली की लाइन पर तमाम फैक्ट्रियां दिखाई देती हैं। राजेन्द्र जी यहां बैठे हैं, वे मेरठ से सांसद हैं। ओखला तक जितनी भी फैक्ट्रियां थीं वहां बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और आगजनी हुई। यहां तक कि महिलाकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। मैं इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूं कि इसमें बीएसपी सरकार के कुछ ऐसे जनप्रतिनिधि थे, जिनकी जांच चल रही है, उनके नाम उजागर होंगे। जांच में चाहे कितना भी बड़ा जनप्रतिनिधि हो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी, जेल जाएंगे। आपने आगरा में कुछ माह पूर्व देखा होगा कि माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी ने एक सम्मेलन किया था जिसमें 40 देशों के निवेशक, यानि उद्योगपति आए थे जो उत्तर प्रदेश में निवेश करना चाहते थे। उस माहौल को सुनियोजित तरीके से बिगाड़ा गया है, यह साजिश है।

उपाध्यक्ष महोदय: यह स्टेट से संबंधित है।

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं चाहूंगा कि केन्द्र सरकार इसे गंभीरता से ले। भारत बंद कई बार हुआ है, हड़तालें बहुत बार हुई हैं, लेकिन इस तरह की हिंसक घटनाएं नहीं हुई हैं। इसे केवल राज्य का मैटर समझकर न छोड़ा जाए, बल्कि आप अपनी तरफ से एक दल भेजिये और मैं चाहूंगा कि एक सर्वदलीय दल में यहां से नेता लोग जाएं और वहां जाकर देखें कि किसकी गलती थी और किसकी वजह से इतनी बड़ी घटना हुई है।

उपाध्यक्ष जी, आपने टीवी पर देखा होगा कि बड़े पैमाने पर अच्छी-अच्छी गाड़ियां, जो करोड़ों रुपये की गाड़ियां हैं, उनमें आग लगाई गई। यह बहुत शर्मनाक घटना घटी है। मैं चाहूंगा कि इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति इस देश और प्रदेश में कहीं भी न हो। अगर श्रमिकों की जायज मांगें थीं तो केन्द्र सरकार को उन्हें मानना चाहिए। आप इसकी जांच करा लीजिए, जो भी लोग दोषी हैं, चाहे वे कोई भी हों, अगर हम या हमारे दल के लोग हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इसी के साथ मैं मांग करता हूं कि केन्द्र सरकार अपनी तरफ से एक दल भेजकर इसका सर्वे कराये और जो भी नुकसान हुआ है, उसका भुगतान करे और जिन लोगों ने गड़बड़ी पैदा करने की कोशिश की है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।